ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-09-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-09-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-09-28	2022-09-29	2022-09-30	2022-10-01	2022-10-02
वर्षा (मिमी)	2.0	1.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	32.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	17.0	17.0	17.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	50	45	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	140	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (20 - 26 सितम्बर, 2022) में 135.6 मिमी वर्षा हुई व आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 29.0 से 33.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 22.0 से 25.9 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 83 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 67 से 80 प्रतिशत एवं हवा 0.8 से 11.4 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व & पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, आमतौर पर मौसम साफ रहेगा लेकिन 27 से 29 सितम्बर को कही-कहीं हल्के बादल या बूंदा-बांदी हो सकती है।अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 32.0 से 33.0 व 16.0 से 17.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 2 से 8 अक्टूबर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई ने संकेत दिया कि उधम सिंह नगर जिले के ग्रामों में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है| किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| ईआरएफएस के अनुसार, 28 सितंबर से 4 अक्टूबर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं अतः किसान भाई अपने खेतों में आवश्यक कृषि क्रियायें कर सकते है। चारा की फसल से अतिरिक्त पानी निकाल दें जिससे खेत सूख जाये तथा गिरी हुई फसल उठ सके।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, आमतौर पर मौसम साफ रहेगा लेकिन 27 से 29 सितम्बर को कही-कहीं हल्के बादल या बूंदा-बांदी हो सकती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल में भूरा या सफेद फुदके का प्रकोप होने पर, क्लोथियानिडिन 50 डब्ल्यू जी की 30 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें। यदि फुदके के साथ तना बेधक का भी प्रकोप हो तो फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/है डाले।
निम्बू/ संतरा	यदि सिइट्रस येलो मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखइ दें तो संक्रमित टहनियों को छाँट लें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल का 1 मिली/3 लीटर पानी या थायमेथॉक्सम 25 डब्लू जी का 1ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
गाजर	तराई क्षेत्र में गाजर की बुवाई इस माह करें तथा मैदानी क्षेत्रो में गाजर की एशियाई व यूरोपियन किस्मों की बुवाई करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पपीता	पपीते के पेड़ में लीफ मोज़ेक वायरस होने पर पौधों से पीले और मुरझाए हुए पत्तों को हटाकर नष्ट कर दें या मिट्टी में जला दें। एक्टारा 50 डब्लू डी जी को 2 ग्राम/ 5 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। पपीते में परिपक्वता के बाद, पकने के शुरुवाद में ही फलों को काटा जाना चाहिए तथा उन्हेपकने के लिए कागज में लपेटा जाना चाहिए। यदि फल को पकने के लिए पेड़ पर ही छोड़ दिया जाता है तो सूक्ष्म जीवाणु संक्रमण और फल मक्खी के क्षतिग्रस्त होने की संभावना रहती है।
बैंगन	बैंगन की फसल में सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर, बैगन की सूखी टहनियो को काटकर नष्ट कर दें व थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यू जी का 200 ग्राम/500 लीटर पानी / हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
आलू	अगेती आलू के लिए खेत तैयार कर 200-250 क्विंटल गोबर की सड़ी खाद खेत में मिलाकर बुवाई करें। इसके लिए 20-25 क्विंटल बीज प्रति है0 की आवश्यकता होगी।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
बकरा	भेड़ व बकरियों को टिटनेस टॉक्साइड के 2 टीके एक 4 माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नामक बीमारी न हों।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	नमी की वजह से आहार में फफूँदी लग जाती है जिससे आहार में पोषक तत्व की कमी हो जाने से अपलाटॉक्सीकोशिश नामक बीमारी हो जाती है। इससे मुर्गियों के पेट में कीड़े पड़ने से अण्डा देने की क्षमता घट जाती है ऐसी मुर्गियों को पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा महीने में एक बार अवश्य दें।